गुस्ताखी माफ

अरे शिक्षको आप से, कितना उनको प्यार।
भीषण गर्मी में करी, पानी की बौछार।
पानी की बौछार, चला सकते थे डंडा।
लेकिन डंडे बिना, कर दिया देखो ठंडा।
कह साहिल कविराय, शिक्षको छोड़ो अड़ना।
वर्ना पानी छोड़, पड़ेगा सबको फड़ना।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

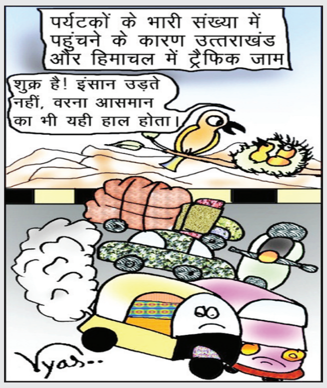

VOL: 11 | ISSUE 142 | TUESDAY 02-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

ठगी के आरोपी कारोबारी भाइयों को दिल्ली से गिरफ्तार करके लाई पुलिस, लेकिन देर रात छुटभैया नेता संग सड़कों पर दिखे

5 करोड़ ठगी मामले में साहिल और प्रदुमन मल्होत्रा पर हुआ था पर्चा दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। लुधियाना पुलिस का एक हैरानीजनक मामला सामने आया है। जिसमें पुलिस द्वारा पांच करोड़ की ठगी के आरोपी होजरी कारोबारी दो भाइयों साहिल मल्होत्रा और प्रदुमन मल्होत्रा को दिल्ली से गिरफ्तार करके लुधियाना लाया गया। लेकिन देर रात दोनों आरोपी शहर की सड़कों पर घूमते हुए दिखे। हालांकि आरोपियों की गिरफ्तारी से लेकर थाने लाने तक की वीडियोज व फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लेकिन यह सोच का विषय है कि दो लोग इतनी बड़ी ठगी में गिरफ्तार किए गए और फिर वे आखिर देर रात शहर की सड़कों पर कैसे घूम रहे हैं। चर्चा है कि इस पूरे घटनाक्रम में शहर के नामी कॉपी राइट एजेंट और छुटभैया नेता का हाथ है। हालांकि इस मामले के खुलासे के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अधिकारी मामले को दबाने में जुटे हैं, लेकिन मामला हाईप्रोफाइल होने पर विवाद बढ़ गया। अब पुलिस अफसरों को सामने आकर बताना चाहिए कि आखिर गिरफ्तार किए आरोपी बाहर कैसे निकल गए। क्या वे अब भी पुलिस गिरफ्त में हैं या भाग चुके हैं।

चर्चा है कि थाने में भी यही लोग मिलने पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों आरोपी गायब हो गए

दिल्ली में गिरफ्तारी के दौरान आरोपी

पूरे घटनाक्रम में दिल्ली के बाहुबली का बोलबाला

इस पूरे घटनाक्रम में दिल्ली के बाहुबली का पूरा बोलबाला रहा। चर्चा है कि मामले में एफआईआर चंडीगढ़ के एक आला अधिकारी की सिफारिश के बाद दर्ज की गई थी। वहीं जब दोनों आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार करके लाया जा रहा था तो रास्ते में दिल्ली के एक बाहुबली की पुलिस को सिफारिश आई। जिसके बाद पुलिस का रुख बदल गया। जिससे चर्चा छिड़ गई है कि पंजाब के मामले में राज्य के अधिकारी से ज्यादा दिल्ली के बाहुबली का बोलबाला रहा।

वारंट न होने की बात कहकर टालने में लगे अधिकारी

वहीं चर्चा है कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद पीड़ित एक सत्ताधारी राजनेता के पास पहुंचे। जहां पर पुलिस का एक उच्च अधिकारी भी मौजूद था। पीड़ितों द्वारा राजनेता से आरोपियों के पुलिस थाने में न होने का कहा गया। जिस पर राजनेता और अधिकारी बोले कि छुटभैया नेता खिलाफ शिकायत दो, पर्चा दर्ज कराया जाएगा। जिसके बाद एक अधिकारी बोला कि आरोपियों के अरेस्ट वारंट न होने के कारण गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जबकि यह बड़ा सवाल है कि अगर वारंट नहीं थे तो स्पेशल दिल्ली जाकर कैसे अरेस्ट की गई। यानि कि या तो पुलिस पहले इललीगल तरीके से गिरफ्तारी कर रही थी या अब अपना बचाव करने को मामला घुमा रही है।

असलह से लैस होकर आया था छुटभैया नेता

चर्चा है कि उक्त छुटभैया नेता अपने एक दर्जन के करीब साथियों साथ थाने में पहुंचा। जहां पर उसके और साथियों के पास अवैद असलह था। वह सरेआम थाने में घूमते रहे, लेकिन पुलिस मुलाजिम ने उन्हें रोकने और बाहर निकालने की जगह बातें करते रहे।

थाने में बैठे आरोपी और उन्हें छुड़वाने पहुंचे छुठभया नेता एएसआई से बात करते हुए

गिरफ्तारी से लेकर थाने लाने की वीडियो बनी

चर्चा है कि गिरफ्तारी से लेकर आरोपियों को थाने लाने की वीडियो बनाई गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के समय की वीडियोग्राफी में पुलिस उन्हें पकड़कर होटल से बाहर लेकर आती दिख रही है। वहीं आरोपियों को थाने लाने और कमरे में बैठाने की भी वीडियो है। यहीं नहीं इस बीच एक कॉपी राइट एजेंट और छुटभैया नेता द्वारा आकर एएसआई से बातें करने और दोनों आरोपियों से मिलने की भी वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

दिल्ली के लीला होटल से किया था गिरफ्तार

ठगी का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी साहिल मल्होत्रा और प्रदुमन मल्होत्रा फरार थे। दो दिन पहले इस मामले में थाना सलेम टाबरी की पुलिस द्वारा धाराओं में बढ़ावा किया गया। जिसके बाद आरोपियों की तलाश में रेड शुरू की गई। आरोपियों के दिल्ली छीपे होने का पता चला। जिसके बाद पुलिस की एक टीम दिल्ली के लीला होटल पहुंची। जहां पर रविवार सुबह दोनों को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन तब भी आरोपी छोड़ देने और सेटिंग करने का प्रयास कर रहे थे।

तीन फर्मों के मालिक है आरोपी भाई

जानकारी के अनुसार थाना सलेम टाबरी की पुलिस ने पांच करोड़ की ठगी करने के आरोप में बी.के. इंटरनेशनल कंपनी के प्रतीक टंडन और चेतन टंडन की शिकायत पर होजरी कारोबारी साहिल मल्होत्रा और प्रदुमन मल्होत्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोपी आर.के. मल्होत्रा होजरी मिल्स के मालिक है। जबकि आरोपी निजा ओवरसीज और एसपी मल्होत्रा ट्रेडर्स के भी मालिक है।

देर रात छुटभैया नेता के साथ वीडियो में दिखा

वहीं चर्चा है कि एक तरफ थाना सलेम टाबरी पुलिस का द्वारा रविवार आरोपी को थाने लाया गया। लेकिन देर रात एक वीडियो तेजी से वायरल होती है। जिसमें एक आरोपी छुटभैया नेता के साथ खड़े दिखता है। वीडियो पर गीत भी बदमाशी वाला लगाया गया है। जिसके बाद यह बड़े सवाल खड़े होते हैं कि अगर आरोपी गिरफ्तार हुआ था तो बाहर कैसे आया।

व्यापारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, बाइक पर आए हमलावर, ताबड़तोड़ फायरिंग की

पंजाब/यूटर्न/1 जून। फिरोजपुर में दिनदहाड़े किराना स्टोर मालिक की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। दुकानदार अपनी दुकान पर मौजूद थे, तभी बाइक पर सवार दो अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। इसे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान गुरचरण सिंह के रूप में हुई है। उनकी मक्खू कस्बे में गाबा किराना स्टोर के नाम से दुकान थी। दोनों हमलावरों की फोटो भी सामने आई है, जिसमें एक के हाथ में पिस्टल दिख र ही है।

दोनों आरोपियों ने अपने चेहरे नहीं ढके थे

फिरोजपुर के एसएसपी भूपिंदर सिंह ने बताया कि हत्या करने वाले दोनों आरोपियों ने अपने चेहरे नहीं ढके हुए थे, जिसके चलते सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को आरोपियों की तस्वीरें भी मिल गई हैं। उन्होंने बताया कि घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली गई है। मामले में कुछ अहम सुराग भी हाथ लगे हैं।

10 पुलिस टीमों का गठन किया

एसएसपी ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए करीब 10 पुलिस टीमों का गठन किया गया है, जो विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी भी कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

आईडीएफसी बैंक धोखाधड़ी मामले में रियल एस्टेट कारोबारी विक्रम वाधवा गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/1 जून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने आईडीएफसी बैंक धोखाधड़ी मामले की चल रही जांच के संबंध में रियल एस्टेट कारोबारी विक्रमविक्रम वाधवा को 29 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। ईडी की जांच में अब तक यह सामने आया है कि हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ यूटी प्रशासन तथा चंडीगढ़ और पंचकूला स्थित दो निजी स्कूलों के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में रखे खातों से लगभग 645 करोड़ रुपये की सार्वजनिक धनराशि का गबन किया गया। जांच के अनुसार विक्रम वाधवा इस मामले के प्रमुख आरोपियों में से एक हैं। उन्होंने कथित रूप से रिभाव ऋषि और अभय कुमार , बैंक अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर सरकारी धन का गबन किया। जांच में यह भी पाया गया कि विक्रम वाधवा ने अपराध से अर्जित धन को उत्पन्न करने, विभिन्न माध्यमों से छिपाने और वैध दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके व्यक्तिगत बैंक खाते में 70 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध से अर्जित राशि पहुंची, इसके अलावा उन्हें बड़ी मात्रा में नकदी भी प्राप्त हुई। उन्होंने इस धन का निवेश अपनी विभिन्न कंपनियों में किया तथा कई अचल संपत्तियां भी खरीदीं। इस धोखाधड़ी में कई मध्यस्थ शेल कंपनियां जैसे कैपको फिनटेक सर्विसेज, स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स, आर.एस. ट्रेडर्स और एसआरआर प्लानिंग गुरुस प्राइवेट लिमिटेड आदि को सरकारी विभागों के खातों से सीधे धन प्राप्त हुआ। इसके बाद इस राशि को आरोपियों और उनसे संबंधित संस्थाओं के विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से आगे स्थानांतरित किया गया।

शेल कंपनियों से सैकड़ों करोड़ रुपये ज्वेलर्स को भेजे गए

जांच में यह भी सामने आया है कि इन शेल कंपनियों से सैकड़ों करोड़ रुपये विभिन्न ज्वेलर्स को भेजे गए, जिन्होंने बैंकिंग लेनदेन के बदले नकदी उपलब्ध कराई। आरोप है कि रिभव ऋषि और उनके सहयोगियों ने यह नकदी विभिन्न सरकारी अधिकारियों और कारोबारियों, जिनमें विक्रम वाधवा भी शामिल हैं, तक पहुंचाई। ईडी धन के पूरे प्रवाह का पता लगाने तथा अन्य लाभार्थियों और खरीदी गई संपत्तियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

वीआईपी नंबर धारकों को हाईकोर्ट से राहत, पुरानी सीरीज को नई एचआर सीरीज में बदलने पर नहीं देनी होगी अतिरिक्त फीस

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पुराने वाहन पंजीकरण नंबर रखने वाले हजारों वाहन मालिकों को बड़ी राहत देते हुए हरियाणा सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत पुरानी सीरीज के पसंदीदा या वीआईपी नंबरों को नई एचआर सीरीज में बदलने पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा था। जस्टिस जगमोहन बंसल की पीठ ने 14 से अधिक याचिकाओं का एक साथ निपटारा करते हुए कहा कि वाहन मालिकों से केवल इसलिए प्रेफरेंशियल नंबर शुल्क नहीं लिया जा सकता क्योंकि वे अपने पुराने नंबर को नई सीरीज में परिवर्तित करवा रहे हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि पुराने नंबरों की पहचान और महत्व बरकरार रखते हुए उन्हें नई सीरीज में बदला जा सकता है, लेकिन इसके लिए किसी अतिरिक्त शुल्क की मांग कानूनी रूप से उचित नहीं है।

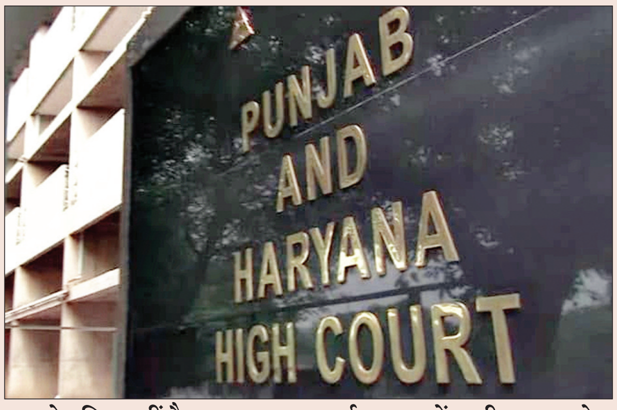

मामला उन वाहन नंबरों से जुड़ा था जो मोटर वाहन अधिनियम, 1988 लागू होने से पहले जारी किए गए थे और जिनकी शुरुआत वर्तमान एचआर सीरीज के बजाय पुरानी अक्षर श्रृंखला से होती थी। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि सरकार पहले कई बार यह आश्वासन दे चुकी थी कि ऐसे नंबरों को नई सीरीज में बिना किसी शुल्क के परिवर्तित किया जाएगा, लेकिन वर्ष 2019 में जारी एक आदेश के जरिए सरकार ने वीआईपी और पसंदीदा नंबरों पर शुल्क लगाने का निर्णय ले लिया।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि वाहन पंजीकरण चिह्नों की वैधता और उनसे जुड़े नियम निर्धारित करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। राज्य सरकार केवल मेमो या सर्कुलर जारी कर इस संबंध में नई शर्तें लागू नहीं कर सकती। अदालत ने माना कि हरियाणा सरकार का आदेश वैधानिक अधिकारों के दायरे से बाहर था, इसलिए इसे निरस्त किया जाता है। फैसले में अदालत ने अपने पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी यह स्पष्ट किया जा चुका है कि पुरानी सीरीज के नंबरों को समान मूल्य वाले नए नंबरों में बदला जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर पुराने नंबर HRK-4 को HR-0004 और HRO-10 को HR-0010 के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। इस फैसले से उन हजारों वाहन मालिकों को सीधा लाभ मिलेगा, जिनके पास संयुक्त पंजाब काल या पुरानी सीरीज के विशेष, पसंदीदा और वीआईपी नंबर हैं। अब ऐसे नंबरों को नई एचआर सीरीज में बदलवाने पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह राहत सामान्य और वीआईपी दोनों श्रेणी के नंबरों पर समान रूप से लागू होगी।

13 लाख रुपये रिश्वत मांगने के मामले में विजिलेंस डीजीपी का पूर्व रीडर गिरफ्तार, सीबीआई को मिला 7 दिन का रिमांड

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। पंजाब विजिलेंस विभाग के डीजीपी के पूर्व रीडर ओपी राणा ने सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसे अदालत में पेश कर सात दिन के पुलिस रिमांड पर ले लिया। राणा पर एक सरकारी अधिकारी से 13 लाख रुपये की रिश्वत और महंगा मोबाइल फोन मांगने का आरोप है। सीबीआई ने इस मामले में 11 मई को भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान मलोट निवासी विकास गोयल, राघव गोयल और उनके ड्राइवर अंकित वाधवा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि कार्रवाई के दौरान ओपी राणा फरार हो गया था। बाद में उसने अग्रिम जमानत के लिए पहले सीबीआई अदालत और फिर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन राहत नहीं मिलने पर उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

सीबीआई के अनुसार यह मामला मलोट में तैनात स्टेट टैक्स अधिकारी अमित कुमार से जुड़ा है। आरोप है कि राणा और उसके सहयोगियों ने अधिकारी को आय से अधिक संपत्ति के कथित मामले में फंसाने का डर दिखाकर उससे 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में सौदा 13 लाख रुपये में तय हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रिश्वत की राशि कथित तौर पर हबड़े साहबद्ध तक पहुंचाने की बात कही गई थी, जबकि राणा ने अपने लिए करीब 1.86 लाख रुपये कीमत का मोबाइल फोन भी मांगा था। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने सेक्टर-35 स्थित एक होटल के पास जाल बिछाया था, लेकिन राणा मौके पर नहीं पहुंचा और फरार हो गया। इसके बाद एजेंसी ने जांच तेज करते हुए अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को अदालत में सीबीआई ने दलील दी कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा और डिजिटल साक्ष्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रहा है। एजेंसी के अनुसार आरोपी ने अपने मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य संभावित सबूतों के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। इस आधार पर सीबीआई ने अदालत से कस्टोडियल पूछताछ की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने सात दिन का रिमांड मंजूर कर दिया।

जांच एजेंसी का दावा है कि अब तक जुटाए गए डिजिटल साक्ष्यों, व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड से कुछ अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सीबीआई इस पूरे मामले में कथित रिश्वतखोरी नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य संभावित व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसी रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी हुई है।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 मंगलवार, 02 जून 2026

पेज 06 गिरवी पड़ी कार छुड़वाने को उधार पैसे न मिलने पर...

हलवारा एयरपोर्ट फाइल्स : साइनर्जी कम्पनी से कहां हुई चूक? छत ही नहीं, जवाबदेही भी उड़ी?

टेंडर से टर्मिनल तक:पहली बारिश ने खोले 54 करोड़ के प्रोजेक्ट के राज

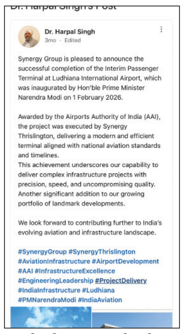
Dr. Harpal Singh's Post

Dr. Harpal Singh
3mo · Edited

Synergy Group is pleased to announce the successful completion of the Interim Passenger Terminal at Ludhiana International Airport, which was inaugurated by Hon'ble Prime Minister Narendra Modi on 1 February 2026.

Awarded by the Airports Authority of India (AAI), the project was executed by Synergy Thrislington, delivering a modern and efficient terminal aligned with national aviation standards and timelines.
This achievement underscores our capability to deliver complex infrastructure projects with precision, speed, and uncompromising quality. Another significant addition to our growing portfolio of landmark developments.

We look forward to contributing further to India's evolving aviation and infrastructure landscape.

#SynergyGroup #SynergyThrislington #AviationInfrastructure #AirportDevelopment #AAI #InfrastructureExcellence #EngineeringLeadership #ProjectDelivery #IndiaInfrastructure #Ludhiana #PMNarendraModi #IndiaAviation

शैफाली

लुधियाना 1 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चार महीने पहले उद्घाटित किए गए हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग में पहली तेज बारिश और आंधी के बाद सामने आई क्षति ने केवल निर्माण गुणवत्ता पर ही नहीं, बल्कि पूरी परियोजना की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छत के पैनल उड़ना, फॉल्स सीलिंग का टूटना और भवन के भीतर पानी का रिसाव अब एक बड़े सवाल में बदल गया है—क्या यह महज निर्माण संबंधी तकनीकी खामी है या फिर करोड़ों रुपये की परियोजना में सिस्टम स्तर की विफलता?

सवाल नंबर 1: ठेका लेने वाली कंपनी साइनर्जी थ्रिसलिंगटन ने काम खुद क्यों नहीं किया?

जांच में सामने आया है कि एयरपोर्ट टर्मिनल निर्माण का ठेका पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग (PWD) ने निजी कंपनी साइनर्जी थ्रिसलिंगटन इंस्टाकॉन प्रा लि को दिया था। साइनर्जी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. हरपाल सिंह सग्गू का नाम भी अब चर्चा में है। यह वही समूह है, जिसका संबंध चंडीगढ़ के लग्जरी होटल जेडब्ल्यू मैरियट से भी जोड़ा जाता है, जिससे मामले को लेकर कॉर्पोरेट स्तर पर भी बहस तेज हो गई है। इसी कंपनी को सबसे पहले ठेका मिला। जिसने आगे दूसरी कंपनी को ठेका दे दिया। यदि यह दावा सही है तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या विभाग को इसकी जानकारी थी? यदि थी तो अनुमति किस आधार पर दी गई? और यदि नहीं थी तो निगरानी तंत्र कहां था? निर्माण क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि जब किसी परियोजना में ठेका कई स्तरों पर हस्तांतरित होता है तो हर स्तर पर मुनाफा निकाला जाता है। इसका सीधा प्रभाव निर्माण सामग्री, तकनीकी मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण पर पड़ता है।

सवाल नंबर 2: क्या परियोजना लागत का बड़ा हिस्सा मुनाफे में चला गया?

परियोजना की कुल लागत लगभग 54 करोड़ रुपये बताई जाती है, जबकि टर्मिनल बिल्डिंग पर करीब 22 से 27 करोड़ रुपये खर्च हुए। सूत्रों का दावा है कि मुख्य ठेकेदार द्वारा काम आगे सौंपे जाने के बाद निर्माण लागत और वास्तविक खर्च के बीच बड़ा अंतर पैदा हुआ। निर्माण उद्योग से जुड़े जानकारों के अनुसार यदि मुख्य कंपनी और सब-कॉन्ट्रैक्टर दोनों ने अपना-अपना लाभांश सुरक्षित किया हो तथा विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक और अन्य खर्च जुड़े हों तो वास्तविक निर्माण पर उपलब्ध राशि काफी कम हो सकती है। यही कारण है कि अब यह जांच का विषय बन गया है कि क्या निर्माण में निर्धारित मानकों के अनुरूप सामग्री का उपयोग हुआ था या नहीं।

सवाल नंबर 3: अधूरे काम पर करोड़ों का भुगतान कैसे ?

परियोजना से जुड़े दस्तावेजों और सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप सामने आए हैं कि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हुआ, इसके बावजूद ठेकेदार को बड़ी राशि जारी की गई। कुछ सूत्रों का दावा है कि वास्तविक प्रगति की तुलना में कहीं अधिक भुगतान किया गया। यदि यह आरोप सही साबित होते हैं तो जांच एजेंसियों को यह देखना होगा कि भुगतान से पहले माप पुस्तिका (Measurement Book), तकनीकी सत्यापन और गुणवत्ता प्रमाणन की प्रक्रिया कैसे पूरी की गई। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि भुगतान की मंजूरी किन अधिकारियों ने दी और किस आधार पर दी।

सवाल नंबर 4: गुणवत्ता जांच की रिपोर्ट कहां है?

किसी भी सरकारी निर्माण परियोजना में विभिन्न चरणों पर गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य होता है। टर्मिनल बिल्डिंग जैसी संवेदनशील परियोजना में संरचनात्मक सुरक्षा, छत प्रणाली, जल निकासी और फिनिशिंग कार्यों की अलग-अलग जांच की जाती है।

अब सवाल उठ रहा है कि यदि सभी गुणवत्ता परीक्षण हुए थे तो पहली ही तेज बारिश में संरचना को नुकसान कैसे पहुंच गया?

सवाल नंबर 5: क्या यात्रियों की सुरक्षा से समझौता हुआ?

15 मई से एयरपोर्ट पर नियमित उड़ानें शुरू हो चुकी हैं और प्रतिदिन चार फ्लाइट्स संचालित हो रही हैं। ऐसे में यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि जिस भवन में कुछ सप्ताह बाद ही फॉल्स सीलिंग टूटने और पानी रिसने जैसी घटनाएं सामने आईं, क्या उसकी अंतिम सुरक्षा जांच पूरी तरह संतोषजनक थी? विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक उपयोग के भवनों में इस प्रकार की घटनाएं केवल सौंदर्य संबंधी खामी नहीं बल्कि सुरक्षा प्रबंधन का भी विषय होती हैं।

राजनीतिक आरोपों से आगे क्या?

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इस मामले को सार्वजनिक रूप से उठाते हुए भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के आरोप लगाए हैं। विपक्ष ने भी पंजाब सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग को निशाने पर लिया है। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने तकनीकी जांच के आदेश दे दिए हैं। लेकिन हलवारा एयरपोर्ट का मामला केवल एक क्षतिग्रस्त छत का नहीं है। यह उस व्यवस्था की परीक्षा है जो करोड़ों रुपये की सार्वजनिक परियोजनाओं की निगरानी करती है। जांच रिपोर्ट यह तय करेगी कि पहली बारिश में उड़ी छत के साथ कहीं जवाबदेही भी तो नहीं उड़ गई।

मंडी बनने से क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई रफ्तार : हरचंद सिंह बरस्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन एवं आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रदेश महासचिव हरचंद सिंह बरस्ट ने कहा कि गांव ददहेड़ा में नई मंडी बनने से पूरे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। गांव ददहेड़ा की पंचायत द्वारा 18 किल्ले भूमि मंडी निर्माण के लिए दान किए जाने पर उन्होंने गांववासियों और पंचायत का धन्यवाद करते हुए उन्हें सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए बरस्ट ने कहा कि नई मंडी किसानों के लिए वरदान साबित होगी। इससे उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि मंडी पटियाला-नाभा मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण परिवहन और फसल उठान में भी कोई समस्या नहीं आएगी। साथ ही यह पटियाला मंडी पर बढ़ रहे दबाव को कम करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। सरकार ने पारदर्शी तरीके से हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। बरस्ट ने कहा कि मंडी बनने से क्षेत्र के हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जरखड़ में ओलंपियन पृथीपाल सिंह हॉकी फेस्टिवल का भव्य समापन, घवद्दी और रामपुर बने चैंपियन

लुधियाना/यूटर्न/01 जून। माता साहिब कौर स्पोर्ट्स चैरिटेबल ट्रस्ट, जरखड़ द्वारा आयोजित 16वें जेएसटी ओलंपियन पृथीपाल सिंह हॉकी फेस्टिवल का भव्य समापन जरखड़ खेल स्टेडियम में हुआ। फ्लड लाइटों की रोशनी में खेले गए फाइनल मुकाबलों का हजारों हॉकी प्रेमियों ने आनंद लिया। सीनियर वर्ग के फाइनल में गिल क्लब घवद्दी ने नीटा क्लब रामपुर को 6-4 से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया। वहीं जूनियर वर्ग में एचटीसी सेंटर रामपुर ने किला रायपुर हॉकी सेंटर को 1-0 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सीनियर वर्ग में जरखड़ अकादमी और जूनियर वर्ग में गुरु तेग बहादुर अकादमी चचराड़ी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। घवद्दी क्लब के दलवीर सिंह और एचटीसी रामपुर के राजवीर सिंह को ह्वीरो ऑफ द टूर्नामेंट्ह चुना गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को साइकिल देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में कबड्डी स्टार पाला जलालपुर, अर्जुन अवार्डी सज्जन सिंह चीमा, खेल प्रमोटर सुरिंदर सिंह भापा और जेएसटी ट्रक परमिट ग्रुप के प्रतिनिधियों ने विजेता टीमों को सम्मानित किया। पाला जलालपुर ने कहा कि जरखड़ खेलों की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

मेक इन हरियाणा नीति लॉन्च, पहले दिन 1.10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हुए एमओयू

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को गुरुग्राम में 'मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी' का शुभारंभ किया। राज्य में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य लेकर शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी नीति के पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 9 नई सेक्टोरल पॉलिसियां, स्मार्ट निवेश सुविधा पोर्टल तथा 'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के लोगो का भी अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में उद्योग केवल प्रोत्साहन नहीं बल्कि बेहतर इकोसिस्टम की तलाश करते हैं। नई औद्योगिक नीति प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार, निर्यात, रोजगार और भविष्य के लिए तैयार विनिर्माण व्यवस्था पर आधारित है। उन्होंने निवेशकों से हरियाणा में निवेश कर विकास यात्रा का भागीदार बनने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश की सबसे मजबूत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश के मात्र 1.3 प्रतिशत भू-भाग के बावजूद राज्य भारत की जीडीपी में लगभग 3.6 प्रतिशत योगदान देता है। बेहतर सड़क, रेल और लॉजिस्टिक नेटवर्क ने हरियाणा को निवेश का प्रमुख केंद्र बनाया है।

मुख्यमंत्री ने 'इंटेलिजेंट इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल' को निवेशकों के लिए गेम चेंजर बताते हुए कहा कि अब भूमि चयन,

स्वीकृतियां, प्रोत्साहन और अन्य सुविधाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इससे निवेश प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव रणवीर सिंह ने कहा कि यह नीति हरियाणा को भविष्य की उद्योगों, तकनीक और निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि 1.10 लाख करोड़ रुपये के एमओयू निवेशकों के हरियाणा और उसकी नीतियों पर बढ़ते भरोसे का प्रमाण हैं।

कार्यक्रम में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे राज्य में रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पॉलिसी लॉन्च करना नहीं है बल्कि हरियाणा की नई सोच और नए अप्रोच को प्रस्तुत करने का अवसर है। काफी समय तक दुनिया भर के सभी देश और राज्य इंसेंटिव के आधार पर प्रतियोगिता करते रहे हैं लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। आज निवेशक सवाल करते हैं कि क्या सरकार तेजी से फैसले ले सकती है। क्या सरकार दीर्घकालिक विकास भागीदार बन सकती है। पिछले कई महीनों में हरियाणा ने इन सवालों पर बड़ी गंभीरता से काम किया है और आज जो आप देखने जा रहे हैं वो उसी सोच का परिणाम है कि नई पॉलिसी लॉन्च हो रही है। इस पॉलिसी से पहले हितधारकों से बातचीत की गई, उनके विचार जाने गए और इसके बाद इस पॉलिसी को तैयार किया गया।

इन कंपनियों ने किया एमओयू -

एनटीएफ ग्रुप, औमोवियो, प्रोटेरियल, नेशनल आस्ट्रेलियन बैंक ग्लोबल इनोवेशन सेंटर, सुमितोमो कॉर्पोरेशन इंडिया, रिलायंस एमईटीएल, स्टार वायर, सात्विक ग्रप, ईंडिया सेल एलायंस, गौतम सोलर, वीनस रेमेडिस, वरूण बेवरेजिस, होरिजोन इंडस्ट्रिएल, अनंत राज, वैलसपम वन, स्टार सीमेंट, जीएलएस ग्रुप, एसएमटीए, करनाल फॉर्मा पार्क, यूनिवर्सल सक्सेस एनटरप्राइजेस, रैकबैंक, अंबर ग्रुप।

खेलो चंडीगढ़ गेम्स 2026 का भव्य समापन समारोह संपन्न

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश के खेल प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित ₹खेलो चंडीगढ़ गेम्स 2026₹ का भव्य समापन समारोह पंजाब यूनिवर्सिटी, सेक्टर-25 स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों तथा गणमान्य अतिथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद एस.पी. सिंह बघेल उपस्थित रहे। वहीं हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

मंच पर भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, चंडीगढ़ के प्रथम नागरिक मेयर सौरभ जोशी, प्रदेश महामंत्री रामवीर भट्टी, संजीव राणा एवं शक्ति प्रकाश देवशाली, पंजाब यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर प्रोफेसर रेनू विग, डायरेक्टर स्पोर्ट्स राकेश मलिक तथा खेल प्रकोष्ठ के संयोजक प्रभजीत सिंह लांबा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समापन समारोह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर उपस्थित

अतिथियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्य अतिथि एस.पी. सिंह बघेल ने भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश के खेल प्रकोष्ठ को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार के कार्यों की अपेक्षा सामान्यत: खेल मंत्रालय से की जाती है, उसी प्रकार का सराहनीय और दूरदर्शी कार्य भाजपा चंडीगढ़ का खेल प्रकोष्ठ कर रहा है। उन्होंने कहा कि खेलो चंडीगढ़ गेम्स जैसा विशाल आयोजन अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगा और उन्हें भी युवाओं के लिए ऐसे सकारात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और स्वस्थ मस्तिष्क ही एक सशक्त, समृद्ध एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण करता है। उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि खेलो चंडीगढ़ गेम्स का आयोजन वास्तव में प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि आज के खिलाड़ी ही कल के राष्ट्र निमार्ता हैं और देश का भविष्य इन्हीं युवाओं के हाथों में सुरक्षित है।

3.89 किलो हेरोइन और 15 लाख रुपये की ड्रग्स मनी मामले में पंजाब के तीन और सप्लायर गिरफ्तार, अब तक 5 आरोपी दबोचे

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/01 जून। पंचकूला पुलिस की क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 ने अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब के फाजिल्का जिले के तीन और कथित सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महिन्द्र सिंह उर्फ मिन्दी, जसविन्द्र सिंह उर्फ छिन्दी और राकेश उर्फ अरमान उर्फ रमेश के रूप में हुई है। तीनों फाजिल्का जिले के निवासी हैं। इन्हें 3 किलो 89 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपये की ड्रग्स मनी बरामदगी से जुड़े एनडीपीएस एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार 5 अप्रैल को क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 की टीम ने प्रभारी इंस्पेक्टर दलीप सिंह के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-20 स्थित श्मशान घाट के पास कार्रवाई करते हुए लवजोत सिंह उर्फ लव निवासी जलालाबाद, जिला फाजिल्का (पंजाब) को गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से छह पैकेटों में कुल 3 किलो 89 ग्राम हेरोइन, दो मोबाइल फोन और 14 लाख रुपये की ड्रग्स मनी बरामद की गई थी। जांच के दौरान आरोपी के खुलासे पर चंडीगढ़ स्थित उसके किराये के मकान से हेरोइन बिक्री से अर्जित एक लाख रुपये अतिरिक्त बरामद किए गए थे। इस तरह कुल 15 लाख रुपये की ड्रग्स मनी जब्त की गई।

अब थानों के चक्कर नहीं: पंचकूला पुलिस घर पहुंचकर करेगी पासपोर्ट, चरित्र और किरायेदार सत्यापन

पंचकूला/यूटर्न/01 जून। आम नागरिकों को पुलिस सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में पंचकूला पुलिस ने बड़ी पहल की है। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के निदेर्शों पर अब चरित्र प्रमाण पत्र, पासपोर्ट सत्यापन, किरायेदार सत्यापन सहित अन्य सभी प्रकार के पुलिस सत्यापन कार्यों के लिए लोगों को थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नई व्यवस्था के तहत पुलिसकर्मी स्वयं आवेदक के घर पहुंचकर सत्यापन प्रक्रिया पूरी करेंगे। नई व्यवस्था के अनुसार नागरिकों द्वारा हरसमय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद संबंधित आवेदन सीधे संबंधित थाना क्षेत्र को भेजा जाएगा। इसके बाद थाना प्रभारी एक पुलिसकर्मी को आवेदक के पते पर भेजेंगे, जो मौके पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों और तथ्यों का सत्यापन करेगा। सत्यापन से पहले आवेदक से फोन पर संपर्क कर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी ताकि प्रक्रिया बिना किसी असुविधा के पूरी हो सके। पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने बताया कि व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी तंत्र भी लागू किया गया है। सत्यापन पूरा होने के बाद आवेदक से फोन पर फीडबैक लिया जाएगा। इसमें पुलिसकर्मी के व्यवहार, प्रक्रिया की गुणवत्ता और किसी प्रकार की रिश्वत या अनुचित लाभ की मांग से संबंधित जानकारी प्राप्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राप्त फीडबैक की नियमित समीक्षा पुलिस कमिश्नर कार्यालय द्वारा की जाएगी और इसकी दैनिक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आती है तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों की शिकायतों और सुझावों के लिए पुलिस उपायुक्त कार्यालय ने मोबाइल नंबर 9115777026 भी जारी किया है। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की परेशानी, देरी, अनुचित व्यवहार या भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत होने पर नागरिक इस नंबर पर सीधे शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

चंड़ीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 मंगलवार, 02 जून 2026

पेज 12 चंडीगढ़ की वीआईपी नंबरों की नीलामी से 4.13 करोड़...

17 वर्षीय सार्थक की सीबीएसई ओएसएम टेंडरों की जाँच केंद्र और पत्रकारों के लिए शर्मिंदगी का सबब बनी; पत्रकारों के लिए एक सीख

चंडीगढ़/यूटर्न/1 जून। 12वीं क्लास के छात्र सार्थक सिद्धांत ने पत्रकारों को वह सिखाया है जो उन्हें पहले से पता होना चाहिए था या जिसकी उन्हें जाँच करनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने ऐसा करना बंद कर दिया है। झारखंड के इस 12वीं क्लास के छात्र की एक ब्लॉग पोस्ट, सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर देशव्यापी राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई है। 17 साल के सार्थक सिद्धांत ने संेट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर टेंडर के दस्तावेजों की समीक्षा में कई दिन बिताने के बाद, अपने निष्कर्षों को अपनी वेबसाइट sarthaksidhant.com/coempt पर प्रकाशित किया।

नियम बदलने पर ब्लॉग

सिद्धांत के ब्लॉग का शीर्षक है 'उइरए ने उड्ढीस्त्र३ एढ्ढ्ढळी' को फायदा पहुँचाने के लिए नियम कैसे बदले'। इसमें आरोप लगाया गया है कि बोर्ड ने लगातार तीन टेंडर राउंड में पात्रता और तकनीकी जरूरतों को इस तरह से व्यवस्थित रूप से बदला कि अंतत: जीतने वाले वेंडर, हैदराबाद स्थित Coempt EduTeck Private Limited को फायदा पहुँचा। सिद्धांत ने अपने ब्लॉग की शुरूआत में लिखा, यह इस बात की कहानी है कि कैसे एक विशाल सार्वजनिक संस्थानं ने अपनी ही नियमावली को बदलकर जानबूझकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। कंपनी ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है, और सीबीएसई ने भी।

ब्लॉग के पीछे का छात्र

सिद्धांत खुद को बस ₹ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली से प्रभावित 17 लाख छात्रों में से एक₹ बताता है। उसने बताया कि अपने नतीजों से असंतुष्ट होकर, उसे अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के धुंधले और अधूरे स्कैन मिले थे। उसने कहा: मैंने एक ब्लॉग लिखा है जिसमें उइरए के टेंडर के दस्तावेजों की तुलना की गई है। मैंने इसे अपलोड और प्रकाशित कर दिया है। मेरे ब्लॉग के अनुसार, इसमें कम से कम 15 विसंगतियाँ थीं। सिद्धांत का मुख्य आरोप यह है कि ओएसएम अनुबंध के लिए तकनीकी और पात्रता के मानकों को 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' (RFP) के तीन टेंडर राउंड में धीरे-धीरे तब तक कम किया गया, जब तक कि Coempt EduTeck इसके लिए योग्य नहीं हो गया।

आपसी सहमति से वयस्कों द्वारा किया सेक्स वर्क कानूनी; पुलिस उत्पीड़न अस्वीकार्य - सुप्रीम कोर्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/1 जून। सुप्रीम कोर्ट ने अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम (आईटीपीए) का विश्लेषण करते हुए यह टिप्पणी की कि 70 साल पुराने इस कानून के प्रावधान पुलिस को उन वयस्कों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार नहीं देते, जो अपनी मजी से सेक्स वर्क में शामिल हैं, क्योंकि यह काम अपने आप में गैर-कानूनी नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि हालांकि वेश्यालय चलाना गैर-कानूनी है, लेकिन छापेमारी के दौरान पाए जाने वाले सेक्स वर्कर्स को पीड़ित नहीं बनाया जाना चाहिए और न ही उन्हें हिरासत में लिया जाना चाहिए। सेक्स वर्कर्स के पुनर्वास के संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि पुलिस को अपनी मजी से सेक्स वर्क में शामिल वयस्कों को परेशान करने से बचना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, पीठ ने कहा, इसका तर्क सीधा-सा था; चूंकि ऐसी महिलाएं अपनी मजी से वेश्यावृत्ति में शामिल हैं, इसलिए उनके 'बचाव' का सवाल ही नहीं उठता।

सेक्स वर्कर का पुनर्वास बिना मजी करना गलत... कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी सेक्स वर्कर का पुनर्वास उसकी मजी के खिलाफ नहीं किया जाना चाहिए और पुनर्वास की कोई भी प्रक्रिया जबरदस्ती वाली नहीं, बल्कि सेक्स वर्कर्स की अपनी मजी पर आधारित होनी चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, पुनर्वास का संवैधानिक अधिकार राज्य को इस बात के लिए बाध्य करता है कि वह पीड़ितों को पुनर्वास के लिए जरूरी साधन और सहायता उपलब्ध कराए। हालांकि, यह राज्य को इस बात का अधिकार नहीं देता कि वह किसी पीड़ित की मजी के खिलाफ उस पर पुनर्वास की प्रक्रिया थोपे।

कोर्ट ने मान्यताओं को किया खारिज... कोर्ट ने आईटीपीए की धारा 17 के मौजूदा ढांचे के तहत मौजूद उन मान्यताओं को भी खारिज कर दिया, जिन्हें उसने पितृसत्तात्मक बताया। कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान अक्सर वेश्यावृत्ति से जुड़ी स्थितियों से बचाए गए सभी लोगों के साथ एक जैसा ही बर्ताव करता है, चाहे उनकी तस्करी की गई हो, उन पर जबरदस्ती की गई हो, या फिर वे अपनी मजी से सेक्स वर्क में शामिल हुए हों।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग, ईवीएम को लेकर उठाए सवाल

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय ने हरियाणा और पंजाब में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग उठाई है। उन्होंने ईवीएम और बैलेट पेपर से हुए चुनावों के नतीजों में अंतर को लेकर सवाल खड़े करते हुए चुनाव प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता बताई। जारी प्रेस नोट में राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि पंजाब और हरियाणा की सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियां काफी हद तक समान हैं, लेकिन दोनों राज्यों के स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों में बड़ा अंतर देखने को मिला। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में ईवीएम के माध्यम से हुए चुनावों में भाजपा को बड़ी सफलता मिली, जबकि पंजाब में बैलेट पेपर से हुए चुनावों में अलग राजनीतिक तस्वीर सामने आई। उन्होंने कहा कि इन परिणामों के बाद आम लोगों के बीच ईवीएम और बैलेट पेपर को लेकर चर्चा तेज हुई है तथा कई नागरिक चुनाव प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। प्रेस नोट में उन्होंने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि जनता के मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने के लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने के विकल्प पर विचार किया जाए। राजबीर सिंह भारतीय ने आगामी दिसंबर 2026 में होने वाले चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराने की मांग करते हुए कहा कि इससे चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने वर्ष 2027 में विभिन्न राज्यों में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों में भी बैलेट पेपर के इस्तेमाल पर विचार करने की बात कही।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि चुनाव आयोग जनता के बीच मौजूद संदेहों को दूर करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था अपनाता है तो चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हालांकि, चुनाव आयोग और विभिन्न विशेषज्ञ संस्थाएं समय-समय पर भारतीय ईवीएम प्रणाली को सुरक्षित और विश्वसनीय बताते रहे हैं। इसके बावजूद ईवीएम बनाम बैलेट पेपर को लेकर बहस समय-समय पर राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती रही है। राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास सर्वोपरि है और चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवालों का समाधान पारदर्शिता और संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए।

पीजीआई में 30 साल पुराना तकनीकी कैडर विवाद समाप्त, 1100 से अधिक पदोन्नतियों का रास्ता साफ

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। पीजीआई में तकनीकी कर्मचारियों (लेबोरेटरी, एक्स-रे और रेडियोथेरेपी कैडर) से जुड़ा तीन दशक पुराना लंबित मामला आखिरकार सुलझ गया है। संस्थान प्रशासन ने कैडर पुनर्गठन और पदोन्नति संबंधी प्रक्रिया को पूरा करते हुए 30 वर्षों से लंबित इस मुद्दे का समाधान कर दिया है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों को राहत मिली है। पीजीआई प्रशासन के अनुसार जुलाई 2025 में तकनीकी कैडरों के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई थी। यह फैसला संस्थान की कैडर एनोमली कमेटी की सिफारिशों के आधार पर लिया गया, जिसे 1 मार्च 1992 से प्रभावी माना गया। इसके लिए संस्थान की गवर्निंग बॉडी और इंस्टीट्यूट बॉडी से भी अनुमोदन प्राप्त किया गया था। इस जटिल प्रक्रिया

को लागू करने के लिए पीजीआई निदेशक विवेक लाल ने जुलाई 2025 में एक विशेष सेल का गठन किया था। विशेष सेल ने वर्ष 1992 से 2024 तक के रिकॉर्ड की जांच करते हुए एक्स-रे, रेडियोथेरेपी और लेबोरेटरी तकनीकी कैडरों में पदोन्नति मामलों का विस्तृत अध्ययन किया। संस्थान के अनुसार इस प्रक्रिया में करीब 659 कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा की गई और लगभग 193 विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) मेमोरेंडम तैयार किए गए। इसके तहत विभिन्न श्रेणियों में लगभग 1120 पदोन्नतियों की प्रक्रिया पूरी की गई। एक्स-रे कैडर में 111 कर्मचारियों से संबंधित 173 पदोन्नतियां, रेडियोथेरेपी कैडर में 28 कर्मचारियों से संबंधित 48 पदोन्नतियां और लेबोरेटरी कैडर में 520 कर्मचारियों से जुड़ी 899 पदोन्नतियां संसाधित की गईं।

गिरवी पड़ी कार छुड़वाने को उधार पैसे न मिलने पर भतीजे ने की वारदात, गिरफ्तार

जनता नगर के डब्ल मर्डर मामले को पुलिस ने सुलझाया

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। शिमलापुरी इलाके के जनता नगर में शनिवार को बुजुर्ग दंपति कुलदीप सिंह और उनकी पत्नी हरमीत कौर की उनके घर से लाशें बरामद हुई थी। इस मामले को पुलिस ने 24 घंटों के अंदर सुलझा लिया है। पुलिस जांच के दौरान मृतकों के रिश्ते में लगते भतीजे को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी द्वारा गिरवी रखी कार को छुड़वाने के लिए उधार पैसे न देने पर बुजुर्ग दंपति की हत्या की गई थी। हत्या के बाद आरोपी ने घर से 60 हजार रुपए कैश चुराया और मृतकों के पहने हुए सोने

के गहने भी उतार लिए थे। इस मामले में आरोपी न्यू अंगद कॉलोनी के प्रदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी से वारदात के लिए इस्तेमाल की लोहे की गरारी बरामद कर ली है। पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने प्रेस कांफ्रेस में बताया कि आरोपी मृतक कुलदीप सिंह का रिश्ते में भतीजा लगता है। कुलदीप सिंह पत्नी हरमीत के साथ रहते थे। जबकि उनकी पांच बेटियां विदेश रहती है। मृतक कुलदीप सिंह आरोपी प्रदीप के पिता का फुफड़ है। प्रदीप खराद का काम करता है।

मृतकों के पहने हुए गहने भी उतार

डीसीपी जसकिरनजीत सिंह तेजा ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह अकसर मृतकों के घर आता जाता था। उसने किसी के पास अपनी कार गिरवी रखी हुई थी। जिसके चलते उसे पैसों की जरुरत थी। वह पैसे लेने के लिए कुलदीप के पास गया। वहां पर कुलदीप ने पैसे देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद प्रदीप गुस्से में आ गया और उनकी बहस हो गई। जिसके बाद प्रदीप ने लोहे की गरारी उठाकर कुलदीप और हरमीत पर लगातार कई वार कर हत्या की। जिसके बाद घर पर पड़ी नकदी और दोनों के पहने हुए सोने के गहने लेकर फरार हो गया।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Wife अपने मायके में रहते हुए भी Maintenance मांग सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

वैवाहिक विवादों में कई बार पत्नी अपने मायके में रहने लगती है। ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या वह वहां रहते हुए भी maintenance मांग सकती है।

कानून का मुख्य आधार यह है कि पत्नी अलग क्यों रह रही है। यदि उसके पास अलग रहने का उचित कारण (reasonable cause) है—जैसे cruelty, domestic violence, harassment, या वैवाहिक विवाद—तो वह अपने मायके में रहते हुए भी maintenance की मांग कर सकती है। सिर्फ इस आधार पर कि पत्नी अपने माता-पिता के घर रह रही है, उसका maintenance का अधिकार समाप्त नहीं हो जाता। अदालत यह देखती है कि क्या पत्नी स्वयं अपना खर्च उठाने में सक्षम है, पति की आय क्या है, और अलग रहने की परिस्थितियां क्या हैं।

हालांकि, यदि यह साबित हो जाए कि पत्नी बिना किसी उचित कारण के अलग रह रही है, तो इसका प्रभाव maintenance claim पर पड़ सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि maintenance का उद्देश्य व्यक्ति को आर्थिक सहारा देना है, न कि किसी को दंडित करना। कई लोग यह मान लेते हैं कि मायके में रहने का मतलब है कि अब पति की कोई जिम्मेदारी नहीं रही, जबकि कानून हर मामले को उसकी परिस्थिति के आधार पर देखता है।

निष्कर्ष: पत्नी उचित कारण होने पर मायके में रहते हुए भी maintenance मांग सकती है। अदालत हमेशा परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति और वैवाहिक व्यवहार को ध्यान में रखकर निर्णय लेती है।

जस्टिस शील नागू की सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति, जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा बने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागु की सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति के बाद अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने सोमवार को अधिसूचना जारी की।

राष्ट्रपति द्वारा जारी आदेश के अनुसार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत यह नियुक्ति की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि जस्टिस शील नागू के सुप्रीम

कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के कारण पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त हो गया है। ऐसे में नियमित मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति होने तक जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। हाईकोर्ट के प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति आवश्यक मानी गई थी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा अब हाईकोर्ट के प्रशासनिक कार्यों, विभिन्न पीठों के गठन, मामलों के आवंटन तथा न्यायिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों की जिम्मेदारी संभालेंगे। नियमित मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति तक वे अदालत के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

केंद्र सरकार ने नियुक्ति संबंधी आदेश की प्रतियां पंजाब और हरियाणा के राज्यपालों, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेज दी हैं।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

मन लाचार हो गया।

एकांत को पिघला कर उसमें ही मस्त हो गया यह
मन किसी से मिलता न था। इसीलिए खुद से ही
मिलनसार हो गया। लोग कहते हैं छुप छुप कर
जनाब पहले तो ऐसे न थे। क्या बताएँ साहिब
खामोशी ने इतना तोड़ा हमें कि मन वाचाल हो
गया। अपने ही अंदर के एकांत से दो दो चार करके
यह दिल अब शायर हो गया।
जब बात लब पर न आती थी तब कागज पर
उतर गए सब भाव हमारे क्योंकि बहुत लड़ लिया
खुद से अब मन लाचार हो गया।

रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं ने निगम कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन, शोषण रोकने की उठाई मांग

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं की विभिन्न समस्याओं और उनके कथित शोषण के खिलाफ सोमवार को नगर निगम कार्यालय के बाहर फुटपाथ साइकिल एंड रेहड़ी-फड़ी वर्कर यूनियन के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में रेहड़ी-फड़ी विक्रेता एकत्रित हुए और अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शहर में रेहड़ी-फड़ी लगाने वाले छोटे कारोबारियों को लगातार कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि उनके अधिकारों की रक्षा की जाए तथा उत्पीड़न और शोषण की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। धरने को संबोधित करते हुए

यूनियन के प्रधान राममिलन गौड़ ने कहा कि रेहड़ी-फड़ी विक्रेता मेहनत करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, इसलिए उनके साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से विक्रेताओं की समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने की मांग की।

महासचिव माधुरी सिंह सहित रमेश चंद्र, कैलाश राव, अयोध्या प्रसाद और गुड़िया देवी ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में यूनियन प्रतिनिधियों ने प्रशासन से रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं के हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

Uturn Time 02 June 2026_Layout 2 01-06-2026 23:37 Page 7

नशे का कहर ! साउथ सिटी बाईपास पर 5 गाड़ियां भिड़ीं, कई घायल, लंबा जाम लगा

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। 31 मई की देर रात शहर के साउथ सिटी बाईपास पर एक खौफनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते चार से पांच गाड़ियां आपस में जोरदार तरीके से टकरा गईं, जबकि एक ऑटो भी इस हादसे की चपेट में आ गया। चर्चा है कि यह हादसा नशे में धुत होने के कारण हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में करीब पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में ऑटो चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसकी टांग टूट गई और उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि हादसे की वजह एक कार चालक की लापरवाही थी, जो कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। बताया जा रहा है कि नियंत्रण खोने के बाद उसकी गाड़ी ने अन्य वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। हादसे के बाद साउथ सिटी बाईपास पर लंबा जाम लग गया और देर रात तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ट्रैफिक को धीरे-धीरे सामान्य करवाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक, इस दुर्घटना में चार से पांच वाहन शामिल थे। एक व्यक्ति की टांग टूटने के अलावा चार अन्य लोग घायल हुए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और नशे में ड्राइविंग के खतरनाक नतीजों की चेतावनी देता है।

टूल फैक्ट्री में सीवर की जहरीली गैस निकले से पिता-पुत्र समेत तीन की मौत, दो वर्कर बेहोश, प्रशासन कर रहा जांच

अमित
मृतक बेटा

मान सिंह
मृतक पिता

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। चीमा चौक के नजदीक आरके रोड पर दीपस टूल फैक्ट्री में सीवरेज से जहरीली गैस निकलने के कारण दम घुटने से बाप-बेटा समेत 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि फैक्ट्री में दो वर्कर बेहोश हो गए। वर्करों ने इसकी सूचना तुरंत फैक्ट्री मालिक को दी। फैक्ट्री मालिक ने वर्करों को अस्पताल पहुंचाया।

जहां तीन की मौत हो गई, जबकि कइयों को फस्ट एड देने के बाद छुट्टी मिल गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर डीसीपी जसकिरनजीत सिंह तेजा, निगम कमिश्नर नीरू कत्याल, एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर, मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर, एसीपी इंद्रजीत सिंह मौके पर पहुंचे। मृतकों की पहचान पिता मान सिंह, बेटा अमित और अन्य वर्कर श्री राम (56) के रुप में हुई है। गेट पर तैनात दीपक और राजिंदर घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैक्ट्री में रोजाना की तरह रविवार देर रात को काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक गैस का रिसाव शुरू हो गया। कुछ ही मिनटों में जहरीली गैस फैक्ट्री के अंदर फैल गई। गैस का असर इतना तेज था कि वहां मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला।

वेस्टेज सीवर साफ करने गए थे पिता-पुत्र

मान सिंह और अमित मशीन के नीचे निकलने वाली मिट्टी को भरने के लिए गए थे। अमित शादीशुदा था। उसकी एक साल की बेटी भी है। मृतक मान सिंह की बेटी रेनू के अनुसार, फैक्ट्री के अंदर वेस्टेज का एक गटर था, जिसकी सफाई के लिए उसके पिता और भाई जाते थे। घटना वाली रात भी दोनों काम पर गए थे। जैसे ही उन्होंने गटर का ढक्कन खोला, उसमें से जहरीली गैस निकली और वे उसकी चपेट में आ गए। आमतौर पर दोनों रात 2 से 3 बजे के बीच घर लौट आते थे, लेकिन उस रात वे वापस नहीं आए। जिसके बाद घटना का पता चला।

मजिस्ट्रेट जांच के आदेश जारी

डीसी हिमांशु जैन ने बताया कि हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की पूरी जांच कराई जाएगी ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके। डीसी के अनुसार, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी फैक्ट्री की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद ही सब कुछ स्पष्ट हो पाएगा। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एमजीएम के विद्यार्थियों की सराहनीय उपलब्धि

लुधियाना/यूटर्न/01 जून। एमजीएम पब्लिक स्कूल में उस समय खुशी का माहौल छा गया जब कक्षा 10 और 12 (सत्र 2025-26) के विद्यार्थियों को एचटी ग्रुप द्वारा सीटी विश्वविद्यालय में आयोजित सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणामों में उनकी शानदार उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। अभिभावकों का उत्साह चरम पर था और वे अपने बच्चों की इस उपलब्धि से प्रसन्न थे। विद्यार्थियों की इस सफलता ने स्कूल के गौरव में एक और मील का पत्थर जोड़ दिया। प्रधानाचार्या श्रीमती रंजना कौशल ने न केवल विद्यार्थियों को सम्मानित किया बल्कि यह भी कहा कि इस जीत ने एमजीएम परिवार को गौरवान्वित किया है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बापू धाम कॉलोनी में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। भारत सरकार के 'टीबी मुक्त भारत अभियान 100 डेज कैंपेन' के अंतर्गत सेक्टर-26 स्थित बापू धाम कॉलोनी, चंडीगढ़ में 5 मई से 29 मई 2026 तक विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं सामुदायिक केंद्रों पर आयुष्मान आरोग्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। अभियान के दौरान क्षय रोग (टीबी) के मामलों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए कुल 1,108 डिजिटल चेस्ट एक्स-रे तथा 117 सीबीएनएएटी परीक्षण किए गए। पुष्टि किए गए मरीजों को तुरंत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उपचार सेवाओं से जोड़ा गया।

इस पहल का उद्देश्य उच्च जोखिम एवं संवेदनशील आबादी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा यस! वी कैन एंड टीबी : भारत के नेतृत्व में, जनभागीदारी से सशक्त थीम के अंतर्गत जनभागीदारी को सशक्त बनाना था। शिविरों के दौरान नागरिकों को टीबी के लक्षण, संक्रमण के तरीके, बचाव उपायों तथा भारत सरकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं के बारे में व्यापक रूप से जागरूक किया गया। साथ ही टीबी से जुड़े सामाजिक कलंक को कम करने और समय पर उपचार हेतु लोगों को प्रेरित करने पर विशेष बल दिया गया।

क्षेत्र के पार्षद ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्थानीय निवासियों से सामूहिक प्रयासों द्वारा क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने की अपील की। यह अभियान चंडीगढ़ प्रशासन की टीबी उन्मूलन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता, समय पर स्क्रीनिंग, निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता तथा जनभागीदारी आधारित स्वास्थ्य जागरूकता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

मनोहर लाल ने की स्वच्छता और शहरी प्रबंधन की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा, अधिकारियों को दिए मिशन मोड में काम के निर्देश

चंडीगढ़,/यूटर्न/01 जून। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को हरियाणा के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के अधिकारियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और विकसित भारत के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर ठोस परिणामों में बदलने का आह्वान किया। उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत परियोजनाओं को मिशन मोड में लागू करने और स्वच्छता, शहरी प्रबंधन और जीवन की गुणवत्ता में मानक स्थापित करने वाले शहरों को विकसित करने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ‡शहरों को कुशल शहरी शासन और सतत विकास के मॉडल के रूप में उभरना चाहिए, जो देशभर के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण स्थापित करें।‡ उन्होंने जिला नगर आयुक्तों और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के नगर आयुक्तों के साथ राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। बैठक में राज्य के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल दिया है और इस बात पर जोर दिया कि अब इस मिशन को अधिक प्रतिबद्धता, गंभीरता और मापने योग्य परिणामों के साथ लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित करने और निष्पादन में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

चलती इनोवा का फ्लाईओवर पर निकला पिछला पहिया, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

अंबाला-चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा टला, चलती कार का पहिया हुआ अलग

जीरकपुर/यूटर्न/01 जून। अंबाला-चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा उस समय टल गया, जब फ्लाईओवर पर चल रही एक इनोवा क्रिस्टा कार का अचानक पिछला पहिया निकल गया। चालक की सूझबूझ और वाहन की कम रफ्तार के चलते कोई जनहानि नहीं हुई। कार चालक पुनीत ने बताया कि वह निजी काम से जीरकपुर आया था और वापस अंबाला लौट रहा था। जैसे ही उसकी कार जीरकपुर फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक वाहन का पिछला पहिया निकल गया। चलते वाहन का पहिया अलग होने से कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुनीत के अनुसार उस समय कार की रफ्तार ज्यादा नहीं थी, जिसके कारण वह वाहन पर नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहा। यदि वाहन तेज गति से चल रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था और अन्य वाहन भी इसकी चपेट में आ सकते थे। घटना के बाद कार फ्लाईओवर पर बीच सड़क में खड़ी हो गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और कुछ समय के लिए वाहनों की कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर संबंधित टीम मौके पर पहुंची और वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात को सामान्य कराया।

वाहन की नियमित जांच जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार लंबी दूरी की यात्रा से पहले पहियों के नट-बोल्ट, ब्रेक सिस्टम, सस्पेंशन और टायरों की स्थिति की जांच जरूर करानी चाहिए। छोटी सी तकनीकी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

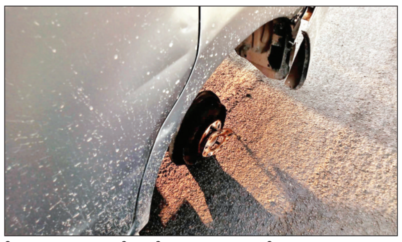

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, ऐसे में इस तरह की तकनीकी खराबियां गंभीर हादसों का कारण बन सकती हैं। घटना ने एक बार फिर वाहन मालिकों को नियमित सर्विसिंग और तकनीकी जांच करवाने की आवश्यकता की याद दिलाई है।

शालीमार सोसाइटी में 5 दिन में 5 कुत्तों की मौत, बेजुबानों के 'सीरियल किलर' की तलाश

ढकोली में बेजुबानों की रहस्यमयी मौतों से दहशत, जहर देकर मारने की आशंका

जीरकपुर/यूटर्न/01 जून। ढकोली स्थित शालीमार सोसाइटी में पिछले पांच दिनों के भीतर पांच कुत्तों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने न केवल पशु प्रेमियों बल्कि स्थानीय निवासियों को भी चिंता में डाल दिया है। लोगों को आशंका है कि बेजुबान जानवरों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।

स्थानीय निवासी हंसराज शर्मा ने बताया कि करीब पांच दिन पहले उनके पड़ोसी एवं मित्र हनी के घर के बाहर किसी अज्ञात व्यक्ति ने तीन मृत कुत्तों के शव बैग में भरकर फेंक दिए थे। उस समय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए कुत्तों का अंतिम संस्कार कर दिया था। हालांकि इसके बाद भी मौतों का सिलसिला नहीं रुका और एक-एक कर अन्य कुत्ते भी मृत पाए गए। सोमवार को एक और कुत्ते का शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

घटना से आक्रोशित लोगों ने सोसाइटी के प्रधान डॉ. अजय यादव के नेतृत्व में बैठक कर पुलिस को शिकायत सौंपी। साथ ही पशु चिकित्सक को बुलाकर मृत कुत्तों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुत्तों को जहर देकर मारने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि जांच में

यह बात सामने आती है तो यह पशु क्रूरता का गंभीर मामला होगा। निवासियों ने पुलिस से सोसाइटी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने तथा दोषियों की जल्द पहचान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मामले की जांच नहीं हुई तो और भी बेजुबान जानवर इस क्रूरता का शिकार हो सकते हैं।

गुलाबगढ़ रोड पर मिली सड़ी-गली लावारिस लाश, पहचान में जुटी पुलिस

दो दिन तक आती रही दुर्गंध, मकान के पीछे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

डेराबस्सी/यूटर्न/01 जून। गुलाबगढ़ रोड स्थित गणेश विहार क्षेत्र में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक मकान के पीछे से अज्ञात व्यक्ति की सड़ी-गली लाश बरामद हुई। शव की हालत इतनी खराब थी कि उसकी पहचान नहीं हो सकी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार अमन होटल के सामने स्थित एक मकान के पीछे से पिछले दो दिनों से लगातार दुर्गंध आ रही थी। मकान मालिक संजू ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि आसपास कोई जानवर मरा हुआ होगा, लेकिन जब बदबू बढ़ती गई तो उन्होंने आसपास तलाश की। छत से देखने पर मकान के पीछे झाड़ियों के बीच एक व्यक्ति की सड़ी-गली लाश पड़ी दिखाई दी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डेराबस्सी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल डेराबस्सी की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शव काफी पुराना और क्षत-विक्षत अवस्था में है, जिसके चलते चेहरे से पहचान संभव नहीं हो पा रही है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों के गुमशुदगी रिकॉर्ड खंगालने शुरू कर दिए हैं। साथ ही शव की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए अन्य कानूनी प्रक्रियाएं भी अमल में लाई जा रही हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

गांव दरिया के नवनियुक्त चौकी इंचार्ज सतीश कुमार का स्वागत

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। गांव दरिया स्थित पुलिस पोस्ट के नवनियुक्त चौकी इंचार्ज सतीश कुमार का स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद धार्मिन्दर सिंह सैनी , पूर्व पंच ग्राम पंचायत दरिया जसबीर सिंह, पूर्व पंच नंद कुमार यादव, अमरीक सिंह, एडवोकेट दविंदर कुमार, छोटे लाल पासवान, ओमप्रकाश, महंत दुबे, देवी कंसल और कुलदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सतीश कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में गांव दरिया क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। वक्ताओं ने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय तथा आपसी विश्वास कायम करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए चौकी इंचार्ज क्षेत्रवासियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनेंगे और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनसहभागिता को भी बढ़ावा देंगे।

Uturn Time 02 June 2026_Layout 2 01-06-2026 23:37 Page 9

पंजाब में 14 आईपीएस अफसरों की ट्रांसफर, IPS संदीप गोयल डीआईजी लुधियाना नियुक्त

पंजाब/यूटर्न/1 जून। पंजाब सरकार ने सोमवार को 14 अधिकारियों का तबादला किया। जिसमें आईपीएस संदीप गोयल को डीआईजी लुधियाना रेंज नियुक्त किया है। फरीदकोट की एसएसपी प्रज्ञा जैन को हटा दिया गया है। उन्हें भी अभी कोई नई तैनाती नहीं दी है। जालंधर की पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर रंधावा को बदला गया है। उनकी जगह डीआईजी सतिंदर सिंह को नियुक्त किया है। अनिता पुंज स्पेशल डीजीपी-कम-डायरेक्टर को एमआरएस पीपीए फिल्लौर से स्पेशल डीजीपी, एचआरडी एवं वेलफेयर, प्रदीप कुमार यादव

डीआईजी संदीप गोयल

आईपीएस सतिंदर सिंह

आईजीपी तकनीकी सेवाएं (अतिरिक्त प्रभार सहित) से आईजीपी तकनीकी सेवाएं चंडीगढ़, धनप्रीत कौर पुलिस कमिश्नर, जालंधर से डायरेक्टर, एमआरएस पीपीए फिल्लौर नियुक्त किया गया है। इसी तरह सतिंदर सिंह डीआईजी, लुधियाना रेंज को पुलिस कमिश्नर (सीपी), जालंधर नियुक्त किया गया है। विवेक शील सोनी को कमांडेंट, 75वीं बटालियन पीएपी, जालंधर से डीआईजी, बॉर्डर रेंज, अमृतसर का कार्यभार सौंपा गया है। सुरिंदरजीत सिंह मंद को पदोन्नति के बाद डीआईजी, जेल, कवलदीप सिंह पदोन्नति के बाद डीआईजी, कानून एवं व्यवस्था, संदीप कुमार शर्मा पदोन्नति के बाद डीआईजी, पीएपी-क्क जालंधर नियुक्त किया गया है। अमृतसर रूरल के एसएसपी सुहेल कासिम मीर को हटा दिया है। वह शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया के जबरन मजीठा थाने में घुसकर आरोपी छुड़ाने के बाद सुर्खियों में थे। उन्हें नई पोस्टिंग नहीं दी गई है। उनकी जगह एसपी कंवलजीत सिंह को चार्ज दिया गया है।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंति पर राज्य स्तरीय समारोह में टोलियां बना उमड़ी हजारों की भीड़

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व महाराणा प्रताप राजपूत सभा की तरफ से महाराणा प्रताप जी की 486वीं जयंति पर राज्य स्तरीय समारोह जालंधर बाईपास के समीप मल्हौत्रा पैलेस केसरिया रंग के रंगा नजर आया। महाराणा प्रताप जी के जयघोष करते टोलियों के रुप में पंहुचे हजारों नौजवानो ने देश की एकता व अंखडता की रक्षा का संकल्प कर अपने पूर्वज महाराणा प्रताप को याद किया। पंजाब विधानसभा के पूर्व स्पीकर राणा के.पी सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह तंवर व डिंपल राणा ने संयुक्त रुप से समारोह की अध्यक्षता की। गौसेवक स्वामी कृष्णानंद, बंटी बाबा व दविन्द्र सूद ने विशेष तौर पर उपस्थित होकर आशीर्वाद दिया। भजन गायक कुमार संजीव ने महाराणा प्रताप की जीवनी व देश भक्ति आधारित गीत प्रस्तुत करेंगे। होली पाथ सीनियर सैंकडरी स्कूल की विद्याथीयी ने संगीतमय धुनों पर देश भक्ति के रंग बिखेरे। जबकि पूर्व सांसद आनन्द मोहन, सुप्रीमकोर्ट के अधिवक्ता के.पी सिंह, नरेश बाटी, धर्मपाल नेगी, शैलेन्द्र सिंह अलीगढ़,मोती नाथावत जयपुर व वी पी सिंह विशेष अतिथि के रुप में शामिल हुए। कैबिनट मंत्री हरदीप मुंडिया, पूर्व मंत्री भारत भूषण आशू, विधायक चौ.मदन लाल बग्गा,अशोक पराशर पप्पी, दलजीत भोला, मेयर इंद्रजीत कौर ने महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि भेंट कर नमन किया।

हार-जीत से ऊपर सेवा का जज्बा, कार्यकर्ताओं की मेहनत सबसे बड़ी जीत : कुलजीत रंधावा

नगर परिषद चुनाव के बाद आप का मंथन, विधायक रंधावा ने कार्यकताओं को किया सम्मानित

जीरकपुर/यूटर्न/01 जून। आम आदमी पार्टी के डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने जीरकपुर स्थित पार्टी के सब-ऑफिस में नगर परिषद चुनावों में हिस्सा लेने वाले उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक की। इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की। विधायक रंधावा ने कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार प्रक्रिया का हिस्सा होती है, लेकिन जनता की सेवा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया गया कार्य ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने चुनावों के दौरान मेहनत और ईमानदारी से कार्य किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

बैठक में नगर परिषद चुनावों के परिणामों को लेकर विस्तार से समीक्षा और चिंतन-मंथन भी किया गया। विधायक ने कार्यकर्ताओं से जनता के जनादेश का सम्मान करने और पहले से अधिक उत्साह के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं का समाधान कर उनका विश्वास हासिल करना है। रंधावा ने कहा कि भगवंत मन के नेतृत्व में पंजाब सरकार लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी देने तथा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को और मजबूत करने तथा आम लोगों के बीच सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

जीत और हार लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन जनता की सेवा के लिए की गई मेहनत और जिम्मेदारी का निर्वहन ही सबसे बड़ी सफलता है।

— कुलजीत सिंह रंधावा, विधायक डेराबस्सी

एनजीटी के निर्देश हवा में? सुखना चो में कूड़े के ढेर, मानसून से पहले बढ़ा खतरा

सुखना चो बनी डंपिंग साइट, स्वच्छता दावों पर उठे सवाल, बरसात से पहले नहीं हुई सफाई तो बढ़ सकता है जलभराव का संकट

जीरकपुर/यूटर्न/01 जून। पर्यावरण संरक्षण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सख्त हिदायतों और स्वच्छता को लेकर सरकारी दावों के बावजूद जीरकपुर की सुखना चो की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बरसाती नाले में जगह-जगह फैला कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक, कपड़े और घरेलू अपशिष्ट न केवल पर्यावरण के लिए खतरा बन रहे हैं, बल्कि आगामी मानसून सीजन में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थितियों की आशंका भी बढ़ा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि

सुखना चो कभी शहर की प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करती थी, लेकिन अब यह धीरे-धीरे कचरा निस्तारण स्थल में बदलती जा रही है। नाले के किनारों और बीच में जमा ठोस कचरा यह दर्शाता है कि सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन प्रणाली में कहीं न कहीं गंभीर खामियां मौजूद हैं। लोगों का आरोप है कि नगर परिषद की ओर से कचरा उठाने और नियमित सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई देती है। सुखना चो के समीप बनाए गए अस्थायी डंपिंग प्वाइंट से प्रतिदिन कचरा बिशनपुरा डंपिंग ग्राउंड भेजे जाने का दावा किया जाता है, लेकिन नाले में बढ़ते कचरे के ढेर इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार बरसाती नालों में जमा ठोस कचरा जल प्रवाह को बाधित करता है। मानसून के दौरान इससे पानी की निकासी प्रभावित हो सकती है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जलभराव और यातायात संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा सड़ता हुआ कचरा मच्छरों और रोग फैलाने वाले जीवों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात से पहले सुखना चो की व्यापक सफाई करवाई जाए, कचरा फेंकने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में नाले को डंपिंग साइट के रूप में इस्तेमाल न किया जाए।

चंडीगढ़ में अवैध नारियल विक्रेताओं पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, काटे 53 चालान

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर में अवैध रेहड़ी-फड़ी, अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस के निर्देशों पर इंफोर्समेंट विंग की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर 53 चालान जारी किए। अभियान के दौरान शहर के अलग-अलग हिस्सों में बिना अनुमति संचालित किए जा रहे करीब 25 अवैध नारियल बिक्री स्थलों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान तिरपाल, तरबूज बेचने के लिए लगाए गए टेबल, कांटे तथा अन्य अतिक्रमण सामग्री जब्त की गई। नगर निगम की टीमों ने सेक्टर-26 स्थित ट्रांसपोर्ट एरिया में भी विशेष अभियान चलाया, जहां नगर निगम नियमों का उल्लंघन कर रहे सात अवैध

मछली विक्रेताओं को हटाया गया। इसके अलावा सेक्टर-28 मोटर मार्केट में नियमों का उल्लंघन करने वाले छह वाहनों को भी जब्त किया गया। शाम के समय प्रवर्तन टीमों ने सेक्टर-34 फर्नीचर मार्केट में भी अभियान जारी रखा और बाजार क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं तथा नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण किया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार पूरे दिन चले अभियान के दौरान विभिन्न उल्लंघनों के लिए कुल 53 चालान किए गए।

धमकी भरे ईमेल से नहीं डरेंगे, जनता की सेवा जारी रहेगी: मेयर सौरभ जोशी

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी को उनके कार्यालय में एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मेयर ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की कायराना धमकियां न तो उन्हें डरा सकती हैं और न ही उनके कर्तव्यों के प्रति समर्पण को कमजोर कर सकती हैं।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि उन्होंने हमेशा चंडीगढ़ के लोगों के हित में काम किया है और आगे भी पूरी निष्ठा, प्रतिबद्धता और साहस के साथ शहर की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन जनसेवा के उनके संकल्प को कोई भी धमकी प्रभावित नहीं कर सकती। उन्होंने बताया कि इस मामले की

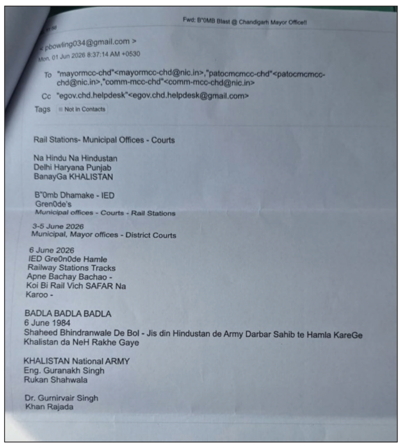
Fwd: B"0MB Blast @ Chandigarh Mayor Office!!

< pbowling034@gmail.com >
Mon, 01 Jun 2026 8:37:14 AM +0530

To "mayormcc-chd"<mayormcc-chd@nic.in>,"patocmcmcc-chd"<patocmcmcc-chd@nic.in>,"comm-mcc-chd"<comm-mcc-chd@nic.in>
Cc "egov.chd.helpdesk"<egov.chd.helpdesk@gmail.com>
Tags Not in Contacts

Rail Stations- Municipal Offices - Courts

Na Hindu Na Hindustan
Delhi Haryana Punjab
BanayGa KHALISTAN

B"0mb Dhamake - IED
Gren0de's
Municipal offices - Courts - Rail Stations

3-5 June 2026
Municipal, Mayor offices - District Courts

6 June 2026
IED Gre0n0de Hamle
Railway Stations Tracks
Apne Bachay Bachao -
Koi Bi Rail Vich SAFAR Na
Karoo -

BADLA BADLA BADLA
6 June 1984
Shaheed Bhindranwale De Bol - Jis din Hindustan de Army Darbar Sahib te Hamla KareGe
Khalistan da NeH Rakhe Gaye

KHALISTAN National ARMY
Eng. Guranakh Singh
Rukan Shahwala

Dr. Gurnirvair Singh
Khan Rajada

गंभीरता को देखते हुए उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों से पूरे प्रकरण की गहन जांच करने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जांच एजेंसियां जल्द ही धमकी देने वालों की पहचान कर उचित कानूनी कार्रवाई करेंगी।

मेयर ने दोहराया कि उनकी प्राथमिकता हमेशा चंडीगढ़ के नागरिकों का हित और शहर का विकास रहा है। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प पहले की तरह अडिग है और वे 'चंडीगढ़ फर्स्ट, ऑलवेज' की भावना के साथ शहर की प्रगति और लोगों की सेवा के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। जिक्र योग है कि चंडीगढ़ के मेयर और नगर निगम कमिश्नर धमकी भरी मेल भेजी गई है।

60 साल पुरानी तंदूर संस्कृति बचाने की मांग, मेयर सौरभ जोशी ने दिया समाधान का भरोसा

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित पारंपरिक अंडरग्राउंड तंदूरों से जुड़े तंदूर वर्कर्स यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी से मुलाकात कर अपनी लंबे समय से लंबित मांगों और समस्याओं को उनके समक्ष रखा। बैठक के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने बताया कि अंडरग्राउंड तंदूर पिछले 60 वर्षों से चंडीगढ़ के लोगों को पारंपरिक और किफायती भोजन पकाने की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये तंदूर केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि शहर की सांस्कृतिक विरासत का भी अहम हिस्सा हैं।

प्रतिनिधियों ने मेयर को बताया कि समाज में लंबे समय से योगदान देने के बावजूद कई तंदूर कर्मियों को अब तक पर्याप्त पुनर्वास और कल्याणकारी सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से लागू स्ट्रीट वेंडर

नीति का लाभ भी कई अंडरग्राउंड तंदूर संचालकों तक नहीं पहुंच पाया है। यूनियन के अनुसार वर्तमान में चंडीगढ़ में 18 सक्रिय अंडरग्राउंड तंदूर संचालित हो रहे हैं, जो स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन से जुड़े सभी निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार की पीएम स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र होने के बावजूद कई तंदूर कर्मी प्रशासनिक और प्रक्रियागत अड़चनों के कारण इन योजनाओं से वंचित हैं। मेयर सौरभ जोशी ने यूनियन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि उनकी मांगों और शिकायतों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

यूटी चंडीगढ़ में पात्र किशोरियों हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान की अवधि बढ़ाई गई

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। स्वास्थ्य विभाग, यूटी चंडीगढ़ ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पात्र किशोरियों के अधिकतम कवरेज को सुनिश्चित करने के लिए ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की अवधि तीन माह (90 दिन) तक बढ़ाने की घोषणा की है। विस्तारित अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष आयु पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष की आयु प्राप्त न करने वाली सभी पात्र किशोरियों को निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध कराया जाएगा। इस विस्तार का उद्देश्य उन लाभार्थियों को अवसर प्रदान करना है, जो अभियान के प्रारंभिक चरण में टीकाकरण से वंचित रह गई थीं। एचपीवी वैक्सीन (गार्डासिल-4) यूटी चंडीगढ़ की सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में सप्ताह के छह कार्य दिवसों पर उपलब्ध है। यह टीका सर्वाइकल कैंसर एवं एचपीवी से संबंधित अन्य बीमारियों से बचाव का सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अनुशंसित आयु में टीकाकरण वायरस के संपर्क से पूर्व अधिकतम सुरक्षा प्रदान करता है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों, शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक नेताओं एवं आमजन से अभियान को सफल बनाने तथा सभी पात्र किशोरियों का टीकाकरण सुनिश्चित करने की अपील की है। विभाग ने किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा चंडीगढ़ को सर्वाइकल कैंसर मुक्त भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

ट्यूबवेल की मोटर खराब, सैनी विहार फेस-3 में दो दिन से पेयजल संकट

पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हुए लोग, नगर परिषद से जल्द समाधान की मांग

जीरकपुर/यूटर्न/01 जून। वार्ड नंबर-3 स्थित सैनी विहार फेस-3 में सरकारी ट्यूबवेल की मोटर खराब होने से पिछले दो दिनों से पेयजल संकट बना हुआ है। जलापूर्ति बाधित होने के कारण क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि नियमित सप्लाई बंद होने से उन्हें अपनी दैनिक जरूरतों के लिए निजी पानी के टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार ट्यूबवेल की मोटर खराब होने के बाद सुबह और शाम के समय होने वाली पानी की सप्लाई प्रभावित हो गई है। घरों में पीने के पानी, खाना बनाने और अन्य घरेलू कार्यों के लिए संकट खड़ा हो गया है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों वाले परिवारों को झेलनी पड़ रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि समस्या की जानकारी नगर परिषद और संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है, लेकिन अभी तक जलापूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी है। स्थानीय निवासी सावित्री, बीरा रावत, सोनिया, नूर खान, सबरीना और रुखसाना ने प्रशासन से मांग की है कि खराब मोटर को तत्काल बदलकर या मरम्मत कराकर नियमित जलापूर्ति शुरू की जाए। लोगों ने बताया कि निजी टैंकरों से पानी मंगवाने के कारण अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की आवश्यकता बढ़ जाती है, ऐसे में प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार रखनी चाहिए ताकि तकनीकी खराबी आने पर लोगों को परेशानी न उठानी पड़े। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे नगर परिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

जालंधर जिला कोर्ट को उड़ाने की धमकी, बम स्क्वायड टीम कर रही जांच, स्निफर डॉग भी उतारे

जालंधर/यूटर्न/1 जून। जालंधर के जिला प्रशासकीय और जुडिशियल कॉम्प्लेक्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस के डॉग स्क्वायड और एंटी साबोटाज विंग की अलग-अलग टीमों ने तलाशी अभियान चलाया। पुलिस जिला कोर्ट कॉम्प्लेक्स को चेक कर रही है। मेटल डिटेक्टर लगे होने के बावजूद पुलिस खुद पहले तलाशी ले रही है। उसके बाद ही कोर्ट कॉम्प्लेक्स के अंदर दाखिल होने दिया जा रहा है। अभी तक पुलिस को ऐसी कोई चीज संदिग्ध चीज नहीं मिली है। पार्किंग में ड्यूटी करने वाले कुलवंत सिंह ने बताया कि पुलिस ने पार्किंग में सभी वाहनों के सामान की चेकिंग की, लेकिन कुछ नहीं मिला। एएसआई इंद्रजीत सिंह ने बताया कि कुछ लोग परेशान करने वाला काम करते हैं। ये लोग बम की अफवाहें फैलाते हैं। धमकी देने वाले कब क्या कर दें, इसका कुछ पता नहीं होता। पुलिस अधिकारी यहां पहुंचे थे और अकेले-अकेले

सामान की चेकिंग की है। धमकी किसने दी, इसका अभी पता नहीं चल पाया है।

वकील बोले- स्कूलों के बाद अब कोर्ट को धमकी

एडवोकेट करन कुमार भगत ने बताया कि बहुत ही बुरी बात है कि अब स्कूलों के बाद कोर्ट को भी धमकी मिलनी शुरू हो गई है। साइबर क्राइम को मेल की जांच करनी चाहिए। आजकल एआई का जमाना है। थ्रेट मेल का आईपी एड्रेस पता करना चाहिए। अभी तक थ्रेट मेल के मामले में लोग पकड़े नहीं जा सके हैं। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, रुटीन की तरह काम चल रहा घटना स्थल से पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस द्वारा इमारत को खाली नहीं करवाया गया और ना ही आने-जाने वाले लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इमारत में रूटीन की तरह काम चल रहा है।

आप की कोर कमेटी की बैठक में फैसला, सीएम मान तय करेंगे निगम व काउंसिलों के प्रधान

पंजाब/यूटर्न/1 जून। पंजाब में निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के बाद मेयर, नगर परिषद प्रधान और अन्य प्रमुख पदों पर नियुक्तियों का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री भगवंत मान करेंगे। यह फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में लिया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में पार्टी विभिन्न नगर निकायों में मेयर, प्रधान और अन्य पदाधिकारियों के नामों को अंतिम रूप दे सकती है। 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मेयर चयन का अधिकार मुख्यमंत्री के पास होने से पार्टी को राज्य स्तर पर जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाने में सुविधा होगी। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी जिले का विधायक जट्ट सिख समुदाय से है, तो वहां शहरी हिंदू या दलित चेहरे को मेयर नियुक्त कर विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सकता है। पार्षदों के भरोसे चुनाव होने पर ऐसा संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है।

पार्टी में अनुशासन रहेगा कायम

मेयर पद को लेकर स्थानीय विधायकों और नेताओं के बीच अपने समर्थक पार्षद को आगे बढ़ाने की होड़ लग जाती है, जिससे गुटबाजी बढ़ती है। अंतिम फैसला मुख्यमंत्री के हाथ में होने से स्थानीय नेताओं को पार्टी लाइन का पालन करना पड़ता है। इससे अंदरूनी खींचतान कम होती है और संगठन में अनुशासन बना रहता है।

दिनदहाड़े सरकारी टीचर की हत्या, हमलावरों ने बीच सड़क पर गला काटा, औंधे मुंह पड़ी मिली लाश

अमृतसर/यूटर्न/1 जून। अमृतसर में नरैणगढ़ ड्रेन के पास दिनदहाड़े एक सरकारी टीचर की हत्या कर दी गई। वह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़कर घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने तेजधार हथियारों से उन पर हमला किया और उनका गला काट दिया। अधिक खून बहने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर उनकी लाश औंधे मुंह पड़ी मिली और मांस के टुकड़े बिखरे हुए थे। मृतक की पहचान गांव तलवंडी निवासी जगदीप सिंह के रूप में हुई है। मृतक के चाचा सुरिंदर सिंह ने बताया कि जगदीप सिंह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़ने गया था। वह रोज की तरह अपनी बेटी को छोड़कर वापस आ रहे थे, लेकिन रास्ते में उनके साथ क्या हुआ, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहीं, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस हत्या के कारणों और हमलावरों की पहचान करने के लिए जांच में जुटी हुई है।

हत्या के कारण नहीं पता चल सके

सुरिंदर सिंह ने बताया कि घटनास्थल से जगदीप सिंह की बाइक और उनकी चप्पलें बरामद हुई हैं। इससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि उन पर रास्ते में ही हमला किया गया। हालांकि, हमलावर कौन थे और हत्या के पीछे क्या वजह थी, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। परिवार ने कहा कि जगदीप सिंह का किसी के साथ कोई विवाद, दुश्मनी या लड़ाई-झगड़ा नहीं था। वह एक सरकारी टीचर के रूप में कार्यरत थे और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते थे। परिवार को समझ नहीं आ रहा कि आखिर उनकी हत्या क्यों की गई। डीएसपी बलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव तलवंडी निवासी जगदीप सिंह को गंभीर चोटें लगी हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

तृषा फिर सुर्खियों में, सोशल मीडिया पर बढ़ी चर्चाएं

तृषा कृष्णन

साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री तृषा कृष्णन एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। हाल के दिनों में उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, हालांकि अभिनेत्री ने फिल्मों से दूरी बनाने की खबरों को खारिज कर दिया है। इस बीच एक सोशल मीडिया पोस्ट और कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी ने फैंस के बीच नई चचाओं को जन्म दे दिया है। वहीं तृषा इन दिनों अपनी फिल्मों की सफलता का भी आनंद ले रही हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। फिल्मी गलियारों में चाहे जितनी चचाएं हों, तृषा ने अभी तक निजी जीवन से जुड़ी किसी भी अटकल पर खुलकर प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में फैंस की नजर अब उनकी अगली फिल्म और सोशल मीडिया अपडेट्स पर टिकी हुई है।

पीजीआई के सहयोग से सेक्टर -28 में रक्तदान शिविर, 86 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। गवर्नमेंट मॉडल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट सेक्टर-28सी में रविवार को पीजीआई के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संस्थान के प्रशिक्षुओं और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 86 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के दौरान प्रतिभागियों में समाजसेवा के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन टीम ने शिविर के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। संस्थान के प्राचार्य Arun Kumar ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले स्टाफ और प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने रक्तदाताओं को उनके सामाजिक योगदान के लिए बधाई देते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान साबित होता है और यह समाज के प्रति हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। प्राचार्य ने प्रशिक्षुओं से भविष्य में भी रक्तदान सहित विभिन्न सामाजिक और मानवीय कल्याण गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

चंडीगढ़ की वीआईपी नंबरों की नीलामी से 4.13 करोड़ की कमाई, सीएच01डीई-0003 बिका 37.63 लाख रुपये में

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। यूटी चंडीगढ़ के रजिस्ट्रिंग एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण (आरएलए) कार्यालय द्वारा नई वाहन पंजीकरण श्रृंखला सीएच01डीई के फैंसी और पसंदीदा नंबरों की ई-नीलामी से प्रशासन ने रिकॉर्ड कमाई की। यह ई-नीलामी 30 मई से 1 जून 2026 तक आयोजित की गई, जिसमें नई श्रृंखला के 0001 से 9999 तक के नंबरों के साथ-साथ पिछली श्रृंखलाओं के बचे हुए फैंसी और विशेष नंबर भी

शामिल किए गए।

नीलामी के दौरान कुल 683 वाहन पंजीकरण नंबरों की बोली लगी, जिससे प्रशासन को 4 करोड़ 13 लाख 71 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सबसे अधिक बोली सीएच01डीई-0003 नंबर के लिए लगी, जिसे 37 लाख 63 हजार रुपये में हासिल किया गया। वहीं सीएच01डीई-0001 नंबर 23 लाख 55 हजार रुपये की बोली के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

आरएलए अधिकारियों के अनुसार, फैंसी नंबरों को लेकर वाहन मालिकों में लगातार उत्साह बना हुआ है, जिसके चलते ई-नीलामी के माध्यम से प्रशासन को उल्लेखनीय राजस्व प्राप्त हो रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया पारदर्शी होने के साथ-साथ लोगों को अपनी पसंद के नंबर हासिल करने का सुविधाजनक अवसर भी प्रदान करती है।

एवरेस्ट विजेता अजयपाल धालीवाल ने पीयू में साझा किए सफलता के मंत्र, बोले- असफलता ने ही बनाया शिखर तक पहुंचने का रास्ता

चंडीगढ़/यूटर्न/01 जून। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अजयपाल सिंह धालीवाल ने सोमवार को विश्वविद्यालय का दौरा कर कुलपति रेनू विग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने एवरेस्ट अभियान से जुड़े अनुभव साझा करते हुए बताया कि सफलता का रास्ता अक्सर असफलताओं से होकर गुजरता है। फरीदकोट जिले के गांव कसम भट्टी के मूल निवासी और वर्तमान में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे शहर में रह रहे अजयपाल सिंह धालीवाल ने 20 मई को 8,848.86 मीटर ऊंची माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराकर यह उपलब्धि हासिल की थी। कुलपति से मुलाकात के दौरान धालीवाल ने बताया कि एवरेस्ट अभियान उनके जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक था। उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी, शून्य से कई डिग्री नीचे तापमान और तेज बर्फीली हवाओं के बीच आगे बढ़ना किसी भी पर्वतारोही की परीक्षा लेता है। ऐसे हालात में शारीरिक ताकत के साथ मानसिक मजबूती भी बेहद जरूरी होती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में किया गया उनका पहला प्रयास सफल नहीं हो पाया था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। असफलता के कारणों का विश्लेषण कर उन्होंने अपने प्रशिक्षण और तैयारी में सुधार किया। लंबे समय तक कठिन अभ्यास, ट्रैकिंग, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रशिक्षण और मानसिक दृढ़ता पर काम करने के बाद उन्होंने दोबारा प्रयास किया और इस बार सफलता हासिल की। धालीवाल ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी में कानून की पढ़ाई के दौरान ही उनके भीतर साहसिक खेलों के प्रति रुचि विकसित हुई थी। बाद में कनाडा में विभिन्न हाइकिंग और ट्रैकिंग अभियानों में भाग लेने से उनका आत्मविश्वास और अनुभव बढ़ा, जिसने एवरेस्ट अभियान की नींव तैयार की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रेणु विग ने धालीवाल को सम्मानित करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि न केवल पंजाब यूनिवर्सिटी बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि अजयपाल की सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर प्रयास के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। धालीवाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय परिवार, दोस्तों और सहयोगियों के सहयोग को देते हुए युवाओं से अपने सपनों का पीछा करने और असफलताओं से निराश न होने का आह्वान किया।

डीएचएस पंजाबी गायकों के करीबी रहे नशा तस्कर पूर्व अकाली सरपंच गुरदीप राणो की कोठी पर चला पीला पंजा

लुधियाना/यूटर्न/1 जून। लुधियाना के पायल क्षेत्र में पंजाबी सिंगरों और कई पुलिस अफसरों के करीबी रहे नशा तस्कर पूर्व अकाली सरपंच गुरदीप सिंह राणो की आलीशान कोठी पर आखिरकार पुलिस ने बुलडोजर चला दिया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन की जांच में करीब 11 कनाल 11 मरले जमीन पर बने इस आलीशान घर को अवैध पाया गया था। इस कार्रवाई के लिए ग्रेटर लुधियाना एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (ग्लाडा) की टीम ने खन्ना पुलिस से सुरक्षा बल की मांग की थी। क्षेत्र में तनाव और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पंजाब पुलिस ने सुरक्षा घेरा तैयार किया था। खन्ना की एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी खुद पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनाए हुए थे। गुरदीप सिंह राणो का ड्रग नेटवर्क और आलीशान महल लंबे समय से चर्चा में था। उसके खिलाफ ड्रग तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। 6 साल पहले राणो को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए थे।

गुरदीप सिंह राणो लाल घेरे में

खाकी से लेकर सफेद पोश नेताओं तक

इस मामले की जांच ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बड़े रसूखदारों में हड़कंप मच गया। जांच की आंच कई प्रभावशाली लोगों और पुलिस अधिकारियों तक पहुंची थी, जिसके बाद कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ गंभीर विभागीय कार्रवाई भी अमल में लाई गई थी। वहीं करण औजला से लेकर रणजीत बावा तक कई सिंगरों द्वारा गुरदीप राणो की कोठी में अपने गीतों के शूट किए थे।

२०२० में 5 किलो हेरोइन मिली थी

गुरदीप सिंह राणो 2020 में चर्चा में आया। उसके पास से पुलिस ने 5 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की थी। उसे गिरफ्तार किया गया तो पता चला कि करोड़ों को इस नेटवर्क में कई सफेदपोश शामिल हैं। जांच एजेंसियों की पड़ताल में सामने आया कि यह गिरोह केवल देश में ही नहीं फैला है, बल्कि इसके तार इंटरनेशनल ड्रग तस्करी नेटवर्क से भी जुड़े बताए गए। जांच में करोड़ों रुपए के नशे के कारोबार का खुलासा हुआ। साथ ही हवाला के जरिए धन के लेन-देन और विदेशों से कथित फंडिंग मिलने के इनपुट भी एजेंसियों को मिले थे।

अवैध निर्माण पर निगम का बुलडोजर: नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, लोगों को दी चेतावनी

लुधियाना/यूटर्न/01 जून। शहर में बढ़ते अवैध निर्माणों पर लगाम लगाने के लिए नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अवैध व्यावसायिक इमारतों और एक अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। निगम की इस कार्रवाई को आम जनता के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि अवैध निर्माण न केवल शहर की नियोजित विकास व्यवस्था को प्रभावित करते हैं, बल्कि भविष्य में ट्रैफिक, पार्किंग और सुरक्षा संबंधी समस्याएं भी पैदा करते हैं।

नगर निगम के जोन-बी और जोन-डी की टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर सुंदर नगर क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन के अवैध हिस्से को गिराया। वहीं जवाद्दी नहर पुल के पास निर्माणाधीन अवैध कमर्शियल बिल्डिंग पर भी बुलडोजर चलाया गया। इसके अलावा सुआ रोड पर कीज होटल के पीछे किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया। सहायक टाउन प्लानर (एटीपी) हरविंदर सिंह हनी ने बताया कि नगर निगम आयुक्त डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता के निर्देशों पर यह अभियान चलाया गया है। संबंधित भवन मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन चेतावनी के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया। इसके बाद निगम को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। एटीपी ने कहा कि शहरवासियों को भवन निर्माण शुरू करने से पहले निगम से नक्शा स्वीकृत करवाना चाहिए। बिना मंजूरी के निर्माण करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372